केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - **A** तथा पत्रक - **B** के साथ वापस भेजना है ।

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए :

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - १

रविवार, ४ मार्च, २०१२ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण (३३)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण (३२)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
विभाग-३, कुल गुण		
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

प्रवेश-१

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''प्रकट प्रभु कहाँ मिलेंगे ? कब मिलेंगे ? मोक्ष कैसे प्राप्त होगा ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''मेरे पास रस्सी नहीं है, नहीं तो आपको पानी खींचकर देता ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''मैं तो ब्रह्मपथ का यात्री हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. तेलंगी ब्राह्मण काला-कलूटा हो गया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. जिअर स्वामी नीलकंठवर्णी से क्रोधित हो उठे ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२		प्र-३	

३. श्रीपुर मठ के महंतजी ने नीलकंठवर्णी को मठ के अंदर आकर विराजने को कहा ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. पुलहाश्रम में कठिन तपश्चर्या । २. जमादार को समाधि लग गई । ३. नौ लाख योगियों का उद्धार ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-४		प्र-५		प्र-६	

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. शीतऋतु के चार माह भगवान बदरीनाथजी की चलमूर्ति को कहाँ लाई जाती है ? गुण : १

.....

.....

२. लोज में नीलकंठवर्णी के सर्व-प्रथम दर्शन किस साधु को हुए ? गुण : १

.....

.....

३. बोचासण गाँव के प्रमुख के पुत्र का नाम क्या था ? गुण : १

.....

.....

४. शिव-पार्वतीने नीलकंठवर्णी को क्या भोजन करवाया ? गुण : १

.....

.....

५. लाखा का हृदय क्यों हलका हो गया ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. नीलकंठवर्णी सूरत पहुँचे तब क्या हुआ ? गुण : २

(१) ☐ निर्वाण अखाड़े में राधाकृष्ण मंदिर में ठहरे ।

(२) ☐ नर्मदा नदी में कूद पड़े ।

(३) ☐ नीलकंठवर्णी तीन दिनों तक उपवासी रहे ।

(४) ☐ एक मालिन ने कुछ फल दिये, उसे स्वीकार किया ।

२. कामाक्षी में नीलकंठवर्णी ने संतों को निर्भयता से कहे हुए शब्द । गुण : २

(१) ☐ तांत्रिक की और देखो भी मत ।

(२) ☐ कोई किसी को जीवन दे नहीं सकता ।

(३) ☐ ऐसे मलिन देव-देवियों के उपासक से इतना विचलित क्यों हो रहे हैं ?

(४) ☐ परमात्मा की कालशक्ति के बिना पूरे ब्रह्मांड में कोई किसी को नहीं मार सकता ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. रामानंद स्वामी पीपलाणा आ रहे हैं यह संदेशा लोज में ..... ने सबको दिया । गुण : १

२. जूनागढ़ गौमुखी गंगा में नीलकंठवर्णी ने संन्यासियों को ..... के रूप में दर्शन दिये । गुण : १

३. राजा रणजितसिंह को नीलकंठवर्णी के दर्शन बदरीनाथ और ..... में हुए । गुण : १

४. नीलकंठवर्णी को ..... नामक राक्षस ने सरयू नदी में झोंक दिया । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७		प्र-८	

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''बिना यहाँ रहे, कोई चारा नहीं है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''इस झीणा को हम जूनागढ़ का राज्य दे दें तो कैसा रहेगा ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''अक्षरपुरुषोत्तम के मन्दिरों का निर्माण ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. जोबनपगी के प्राण हमेशा के लिए शान्त हो गये ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. एभल खचर का भ्रम मिट गया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	

प्र. ९ 'शुकमुनि को गुणातीतानंद स्वामी की समझ में आई हुई अलौकिक महिमा ।' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. श्रीजीमहाराज ने ब्रह्मानंद स्वामी को किस गाँव में अपनी गद्दी पर बैठाया ? गुण : १

.....

.....

२. जेठाभाई ने भगतजी को याद कर के क्यों महुवा गाँव के सिवान में ही दण्डवत् प्रणाम किया ? गुण : १

.....

.....

३. जोबनपगी किस शहर तक चोरी करने जाते थे ? गुण : १

.....

.....

४. देवानंद स्वामी किस प्रसिद्ध कवि के काव्यगुरु थे ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : जीवुबा की संतसेवा

१. रथ हाँकनेवाले को उन सन्त के पास भेजा । **२.** भगवान अष्टभुज रूप धारण कर मूर्ति में से प्रकट हुए । **३.** सारथि को कहा : इन स्वामी को रथ में बिठाकर गढ़पुर पहुँचा दो । **४.** महाराज योगी के वेष में दरबार में दाखिल हो गये । **५.** एभल खाचर को पता चल गया कि कोई साधु उसको पता न लगे इस तरह मन्दिर में रह रहा है । **६.** महाराज के प्रिय सन्त के लिए जीवुबा ने अपनी देह की परवाह ही नहीं की । **७.** कुंडल के अमरा पटगर के साथ उसकी शादी कर दी । **८.** महाराज को जब इस बात का पता चला तो वे बहुत प्रसन्न हुए । **९.** समाधि में जीवुबा भगवान की कृपा से महाराज के अखण्ड दर्शन किया करती थी । **१०.** मेरे प्रिय सन्त की सेवा मेरी सेवा के बराबर है । **११.** उन्होंने अपने लड़के को समझाया की वह लाडुबा को प्रभुभक्ति के लिए छुट्टी दे दे । **१२.** कड़ी धूप में नंगे पैर चल निकलीं ।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **स्वामी निर्गुणदासजी :** शाम से रात तक परिश्रम करके गन्दे कचरे का बड़ा भारी ढेर-घूरा अकेले ने साफ़ कर दिया, ऐसे छोटे स्तर की सेवा वे कहीं न कहीं से खोज लेते थे ।

उ. .....

.....

गुण : १

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

२. **सद्‌गुरु ब्रह्मानन्द स्वामी :** उस वक्त दादाखाचर कमरे में दो दरवाज़ों के बीच में दोनों हाथ पसार के खड़े थे । उनके पीछे जीवुबा खड़ी थी, जो कि दादाखाचर के आसन पर रखने के लिए एक मन वज़न की चारपाई हाथ में लिये हुए थे । वे इस प्रतिक्षा में थी कि दादाखाचर हटकर कब आगे जाने का रास्ता दें ।

उ. ....

....

.... गुण : १ [ ]

३. **भक्तराज दरबार श्री झीणाभाई :** अपनी जायदाद का छोटा हिस्सा वे मंदिर में खर्च करते थे, संतों को सहायता भी करते थे, मस्तक की भी बिना परवाह किये अपने पक्ष की प्रतिष्ठा वे सम्हालते थे, इतना ही नहीं वे ज्यादा खर्च भी करते थे ।

उ. ....

....

.... गुण : १ [ ]

४. **सद्‌गुरु शुकानंद स्वामी :** इसलिये उन्होंने पर्वतभाई को अपने ह्रदय की इच्छा बताते हुए कहा कि यदि आप मेरी ओर से सिफारिश करें तो महाराज मुझे सेवा देंगे । उसने महाराज से निवेदन किया कि महाराज! डभोई के ब्राह्मण को सेवा चाहिए ।

उ. ....

....

.... गुण : १ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. बी.ए.पी.एस. द्वारा आदिवासी विस्तारों का परिवर्तन । २. दिल्ली अक्षरधाम की विशेषताएँ ।

३. जीवन में संयम-नियमन की आवश्यकता ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें